



29 April, 2024

भारत में जंगल की आग

संदर्भ: उत्तराखंड के नैनीताल जिले में चल रही जंगल की आग पर नियंत्रण पाने के लिए, भारतीय वायु सेना ने आग लगने के लगातार दूसरे दिन अग्निशमन अभियान चलाया।

➤ जंगल की आग के कारण:

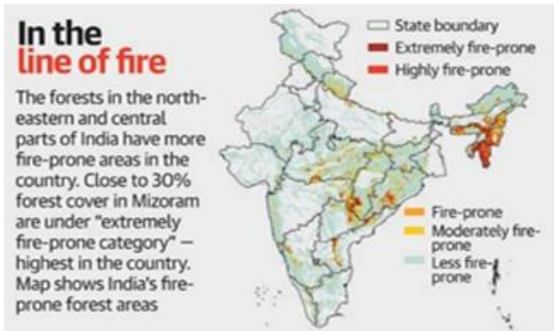
- **मानव निर्मित कारक:** कृषि में परिवर्तन और अनियंत्रित भूमि-उपयोग पैटर्न को जंगल की आग में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता माना जाता है।
- **स्थानीय प्रथाएँ:** गुणवत्तापूर्ण घास के विकास को बढ़ावा देने, अवैध पेड़ों की कटाई को छिपाने और अवैध शिकार जैसे विभिन्न कारणों से स्थानीय लोगों द्वारा जानबूझकर आग लगाना।
- **खेती की गतिविधियाँ:** कृषि पद्धतियाँ अनजाने में जंगल की आग का कारण बन सकती हैं, खासकर शुष्क मौसम के दौरान।
- **बिजली का बुनियादी ढांचा:** सूखी पत्तियों के साथ बिजली के तारों का घर्षण जंगल की आग को भड़का सकता है।

➤ रोकथाम एवं नियंत्रण के उपाय:

- **शीघ्र पता लगाना:** आग का शीघ्र पता लगाने के लिए वॉच टावरों का निर्माण और फायर वॉचर्स की तैनाती आवश्यक है।
- **सामुदायिक भागीदारी:** आग की रोकथाम और नियंत्रण प्रयासों में स्थानीय समुदायों की भागीदारी अनिवार्य है।
- **फायर लाइनों का निर्माण:** आग के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए कच्ची (ढकी हुई) और पक्की (खुली) दोनों फायर लाइनों की स्थापना और रखरखाव को प्रोत्साहित करना।
- **तकनीकी समाधान:** प्रारंभिक चेतावनी, वास्तविक समय की निगरानी और जले हुए क्षेत्रों के आकलन के लिए उपग्रह-आधारित रिमोट सेंसिंग तकनीक और जीआईएस उपकरणों का उपयोग किया जाना चाहिए।

➤ जंगल में आग की आवृत्ति और प्रभाव:

- **मौसमी पैटर्न:** भारत में जंगल की आग का मौसम नवंबर से जून तक रहता है, जिसमें मार्च, अप्रैल और मई में अधिक घटनाएँ दर्ज की जाती हैं।
- **आग को प्रभावित करने वाले कारक:** तापमान, वर्षा, वनस्पति और नमी का स्तर जंगल की आग के पैमाने और आवृत्ति में योगदान करते हैं।
- **संभावित क्षेत्रों का विस्तार:** भारत के लगभग 36% जंगलों में बार-बार आग लगने का खतरा रहता है, शुष्क पर्णपाती जंगलों में गंभीर घटनाओं की सूचना मिलती है।



- **क्षेत्रीय विविधताएँ:** पश्चिमी महाराष्ट्र, दक्षिणी छत्तीसगढ़, मध्य ओडिशा के कुछ हिस्सों और आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक के क्षेत्रों के साथ-साथ पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में जंगल की आग की प्रवृत्ति सबसे अधिक है।

➤ बांबी बकेट

- **कार्यक्षमता:** बांबी बकेट एक विशेष हवाई अग्निशमन उपकरण है, जिसका उपयोग 1980 के दशक से किया जा रहा है।
- **डिजाइन:** यह एक हल्का खुलने योग्य कंटेनर है जो हेलीकॉप्टर के नीचे से लक्षित क्षेत्रों में पानी छोड़ता है।
- **पानी छोड़ना:** पायलट-नियंत्रित वाल्व के माध्यम से पानी छोड़ा जाता है, जिससे सटीक लक्ष्यीकरण की अनुमति मिलती है।
- **त्वरित रिफिलिंग:** इसकी प्रमुख विशेषताओं में से एक झीलों और स्विमिंग पूल जैसे विभिन्न स्रोतों से जल्दी और आसानी से भरने की क्षमता है।
- **क्षमता:** विभिन्न आकारों और मॉडलों में उपलब्ध है, 270 लीटर से लेकर 9,840 लीटर तक।
- **आविष्कारक:** कनाडाई व्यवसायी डॉन आर्नी ने 1982 में बांबी बकेट का आविष्कार किया था।
- **प्रेरणा:** आर्नी ने मौजूदा हवाई अग्निशमन पानी की बाल्टियों में अक्षमताओं और उच्च विफलता दर को देखा।
- **डिजाइन में सुधार:** बांबी बकेट ने बेहतर भंडारण विकल्प प्रदान करके और अधिक सटीक और प्रभावी अग्निशमन के लिए पानी का एक ठोस स्तंभ प्रदान करके पिछली पानी की बाल्टियों की सीमाओं को संबोधित किया।
- **व्यापक रूप से प्रयोग:** बांबी बकेट का उपयोग 115 से अधिक देशों में 1,000 से अधिक हेलीकॉप्टर ऑपरेटर्स द्वारा किया जाता है।
- **प्रसिद्धि:** वर्ष 2017 में, डॉन आर्नी को बांबी बकेट के आविष्कार के लिए इन्वेंटर्स हॉल ऑफ फ़ेम में शामिल किया गया था।

भारत का औद्योगिक वस्तुओं का आयात

संदर्भ: ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (GTRI) के अनुसार, पिछले 15 वर्षों में औद्योगिक वस्तुओं के लिए भारत के आयात में चीन का हिस्सा 21% से बढ़कर 30% हो गया है।

➤ चीन के साथ व्यापार घाटे के संबंध में चिंताएँ:

- आर्थिक थिंक टैंक GTRI चीन के साथ बढ़ते व्यापार घाटे को एक महत्वपूर्ण चिंता के रूप में उजागर करता है।
- इस निर्भरता के गहरे रणनीतिक निहितार्थ हैं, जो आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों आयामों को प्रभावित करते हैं।

➤ निर्यात और आयात प्रवृत्ति:

- वर्ष 2019 से 2024 तक, चीन को भारत का निर्यात लगभग 16 बिलियन डॉलर वार्षिक पर स्थिर रहा।
- इसके विपरीत, चीन से आयात 2018-19 में 70.3 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2023-24 में 101 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया।
- इस वृद्धि के परिणामस्वरूप विगत पांच वर्षों में संचयी व्यापार घाटा 387 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया।

➤ आयात रणनीति की पुनर्गणना:

- GTRI के संस्थापक अजय श्रीवास्तव आयात रणनीतियों के मूल्यांकन और संभावित रूप से पुनः अंशांका की आवश्यकता पर जोर देते हैं।
- इस पुनर्गणना का उद्देश्य अधिक विविध और लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं को बढ़ावा देना है, जिससे एकल-देश के आयात पर निर्भरता कम हो, विशेष रूप से चीन जैसे भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धियों से।

Face to Face Centres





29 April, 2024

➤ **औद्योगिक आयात में चीन पर बढ़ती निर्भरता:**

- पिछले 15 वर्षों में, भारत के औद्योगिक उत्पाद आयात में चीन की हिस्सेदारी 21% से बढ़कर 30% हो गई है।
- भारत में चीन की निर्यात वृद्धि अन्य सभी देशों से भारत की कुल आयात वृद्धि से 2.3 गुना अधिक है।

➤ **क्षेत्रीय निर्भरता और आयात मूल्य:**

- चीनी आयात पर बढ़ती निर्भरता वाले प्रमुख क्षेत्रों में इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार, विद्युत उत्पाद, मशीनरी, रसायन, फार्मास्यूटिकल्स, लोहा, इस्पात, आधार धातु, प्लास्टिक, कपड़ा, कपड़े, ऑटोमोबाइल, चिकित्सा उपकरण, चमड़ा, कागज, कांच, जहाज, और दूसरे विमान शामिल हैं।
- अप्रैल-जनवरी 2023-24 के दौरान, इलेक्ट्रॉनिक्स, टेलीकॉम और इलेक्ट्रिकल उत्पाद क्षेत्रों का आयात मूल्य सबसे अधिक \$67.8 बिलियन था, जिसमें चीन का योगदान \$26.1 बिलियन था।

➤ **मशीनरी और पूंजीगत वस्तुओं का महत्व:**

- चीन से होने वाले आधे आयात में पूंजीगत सामान और मशीनरी शामिल हैं, जो इस क्षेत्र में केंद्रित अनुसंधान और विकास की आवश्यकता पर बल देता है।
- भारत के मशीनरी आपूर्तिकर्ता के रूप में चीन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार और इलेक्ट्रिकल उत्पादों जैसे क्षेत्रों में।

➤ **रसायन और फार्मास्यूटिकल्स का महत्व:**

- चीन से भारत का रासायनिक और फार्मास्यूटिकल आयात इन क्षेत्रों में चीनी उत्पादों की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है, जो कुल आयात का 29.2% है।

➤ **घरेलू उत्पादन की संभावना:**

- चीन से आयातित कई उत्पाद संभावित रूप से घरेलू स्तर पर उत्पादित किए जा सकते हैं, विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के प्रभुत्व वाले उत्पाद।
- भारत चीन से उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला का आयात करता है, जो विभिन्न क्षेत्रों में भारत की औद्योगिक क्षमताओं में महत्वपूर्ण अंतर को उजागर करता है।

➤ **भारतीय क्षेत्रों में चीनी कंपनियों का प्रभाव:**

- चीनी कंपनियां ऊर्जा, दूरसंचार, परिवहन, स्मार्टफोन, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन, सौर ऊर्जा और इंजीनियरिंग परियोजनाओं सहित विभिन्न भारतीय क्षेत्रों में शामिल हैं।
- भारत में चीनी वाहन निर्माताओं के बड़े पैमाने पर प्रवेश से घरेलू ऑटो/ईवी निर्माताओं, ईवी मूल्य श्रृंखला में कंपनियों और बैटरी विकास पर असर पड़ने की उम्मीद है।

Phi - 3 (फाई-3) मिनी

सन्दर्भ: मेटा द्वारा अपने लामा 3 लार्ज लैंग्वेज मॉडल (LLM) को लॉन्च करने के कुछ ही समय बाद माइक्रोसॉफ्ट ने अपने 'हल्के' AI मॉडल का नवीनतम संस्करण लांच किया, जिसे Phi - 3 (फाई-3) मिनी कहा गया।

➤ **फाई - 3 - मिनी क्या है ?**

- Phi (फाई) - 3 - मिनी माइक्रोसॉफ्ट के AI मॉडलों की श्रृंखला का एक नवीनतम संस्करण है, जिसे जेनेरेटिव AI अनुप्रयोगों के लिए व्यावहारिक विकल्प प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

- इसकी पैरामीटर संख्या 3.8 बिलियन है और यह Microsoft Azure AI स्टूडियो और Hugging Face जैसे विभिन्न AI विकास प्लेटफॉर्मों पर पहुंच योग्य है।
- इस समय यह दो वेरिएंट में उपलब्ध है, एक 4K और दूसरा 128K गुणवत्ता के साथ, बड़ी पाठ्य सामग्री की बेहतर समझ को सक्षम बनाता है।

➤ **Phi (फाई) - 3 - मिनी की विशेषताएं:**

- यह 128K परिसर तक का एक संदर्भ विंडो प्रदान करता है, जिससे यह गुणवत्ता से समझौता किए बिना ऐसी सुविधा का समर्थन करने वाला अपनी श्रेणी का पहला मॉडल बन जाता है।
- यह निर्देश, विभिन्न उपयोगकर्ता निर्देशों के प्रति प्रतिक्रिया की सुविधा और अतिरिक्त ट्यूनिंग के बिना तत्काल प्रयोज्य वाला उपकरण/तंत्र है।
- इसके भविष्य की योजनाओं में ग्राहकों को अधिक लचीलापन प्रदान करने के लिए Phi-3-small (7B) और Phi-3-Medium मॉडल की शुरुआत शामिल है।

➤ **LLM के साथ तुलना:**

- Phi (फाई) - 3 - मिनी सुव्यवस्थित भाषा मॉडल (SLM) की श्रेणी से संबंधित है, जो संसाधन-बाधित वातावरण पर लागत-प्रभावशीलता और बेहतर प्रदर्शन प्रदान करता है।
- फ़ाइन-ट्यूनिंग के माध्यम से विशिष्ट कार्यों के लिए विशिष्ट, Phi - 3 - mini जैसे SLM अपने बड़े समकक्षों की तुलना में सटीकता और दक्षता में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं।
- इसके उल्लेखनीय अंतरों में अनुमान की गति, विलंबता और लागत-बाधित परिदृश्यों के लिए उपयुक्तता शामिल है, जहां SLM लाभप्रद साबित होते हैं।

➤ **प्रदर्शन और अनुप्रयोग:**

- Phi (फाई) - 3 - मिनी मजबूत तार्किक क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुए अपने पूर्ववर्तियों और प्रतिद्वंद्वियों से आगे है।
- इसने प्रमुख क्षेत्रों में Gemma 7b और Mistral 7b सहित समान या बड़े आकार के मॉडलों से बेहतर प्रदर्शन किया है।
- माइक्रोसॉफ्ट वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में इसके व्यावहारिक अनुप्रयोगों को प्रदर्शित करते हुए, किसान-केंद्रित ऐप में Phi-3 का उपयोग करते हुए एक भारतीय व्यापार समूह के साथ अपना सहयोग दर्शाता है।

LLM vs SLM

Aspect	LLM (Large Language Models)	SLM (Small Language Models)
Advantages	- Deep language understanding - Versatility - Contextual relevance	- Efficient resource utilization - Suitable for smaller datasets - Faster training and inference
Drawbacks	- Computationally intensive - Data requirements - Potential for bias	- Limited language understanding - Contextual limitations - Task-specific training





29 April, 2024

NEWS IN BETWEEN THE LINES

इंदुलेखा पेंटिंग

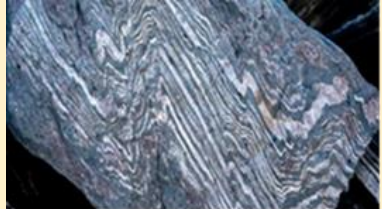


29 अप्रैल 2024 को, प्रसिद्ध कलाकार राजा रवि वर्मा की 176वीं जयंती समारोह के उपलक्ष्य में, उनके जन्मस्थान किलिमानूर पैलेस में उनकी प्रतिष्ठित कृति "इंदुलेखा" की पहली वास्तविक प्रतिकृति का अनावरण किया जाएगा।

इंदुलेखा पेंटिंग के बारे में:

- इंदुलेखा प्रसिद्ध भारतीय कलाकार राजा रवि वर्मा की एक पेंटिंग है जो ओ. चंदू मेनन द्वारा लिखित और 1889 में प्रकाशित मलयालम साहित्य के पहले आधुनिक उपन्यास "इंदुलेखा" के नामांकित नायक को दर्शाती है।
- इसे 2022 में सार्वजनिक किया गया।
- यह उपन्यास 19वीं सदी के केरल में एक युवा नायर महिला के रोमांटिक प्रेम और इसे प्रभावित करने वाली सामाजिक बाधाओं के विषय में है।
- ऐसा माना जाता है कि पेंटिंग मानेड बाई ओलंपिया से प्रेरित थी, लेकिन वर्मा ने इंदुलेखा की स्वतंत्र भावना को चित्रित करने के लिए भारत के मालाबार की एक उच्च जाति की महिला को चित्रित किया।
- राजा रवि वर्मा की चित्रकला शैली विस्तार पर ध्यान देने, जीवंत रंगों के उपयोग और भारतीय पौराणिक तथा ऐतिहासिक शक्तियों के चित्रण के लिए जानी जाती है जो उस समय के सांस्कृतिक लोकाचार को दर्शाती है।
- पेंटिंग में इंदुलेखा का अपने प्रेमी माधवन को संबोधित एक पत्र पकड़े हुए चित्रण उपन्यास की रोमांटिक कथा को समाहित करता है और प्रेम एवं लालसा के विषयों पर प्रकाश डालता है।

पृथ्वी के प्राचीन चुंबकीय क्षेत्र की खोज



हाल ही में, एमआईटी और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के भूविज्ञानियों ने ग्रीनलैंड में प्राचीन चट्टानों का पता लगाया है जिनमें पृथ्वी के सबसे पहले के चुंबकीय क्षेत्र के अवशेष पाए गए हैं जो लगभग 3.7 बिलियन वर्ष पूर्व के हैं।

पृथ्वी के प्राचीन चुंबकीय क्षेत्र के बारे में:

- जर्नल ऑफ जियोफिजिकल रिसर्च में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, ये चट्टानें कम से कम 15 माइक्रोटेस्ला की क्षमता वाले चुंबकीय क्षेत्र के संकेतों को समेटे हुए हैं, जो पृथ्वी के वर्तमान चुंबकीय क्षेत्र के समान हैं।
- यह खोज पृथ्वी को घेरने वाले चुंबकीय क्षेत्र के कुछ शुरुआती साक्ष्यों का प्रतिनिधित्व करती है और इसके ज्ञात अस्तित्व को 200 मिलियन वर्ष बढ़ाती है, जो ग्रह के प्रारंभिक भूवैज्ञानिक इतिहास अंतर्दृष्टि प्रदान करती है।
- वैज्ञानिकों का अनुमान है कि पृथ्वी के प्रारंभिक चुंबकीय क्षेत्र ने ग्रह को हानिकारक सौर विकिरण से बचाते हुए जीवन-पोषक वातावरण को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई होगी, जिससे प्रारंभिक जीवन को बढ़ावा मिला और ग्रह रहने योग्य बन सका।
- शोधकर्ताओं का लक्ष्य उन चट्टानों को खोजना था, जो पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र को संरक्षित रखती हैं, जिससे उन्हें ग्रीनलैंड के इसुआ सुप्राक्रस्टल बेल्ट में चट्टान संरचनाओं का नमूना लेने के लिए प्रेरित किया गया।
- टीम ने बैंडेड आयरन संरचनाओं के पूरे चट्टानी नमूने एकत्र किए जो लगभग 2.5 बिलियन वर्ष पहले वायुमंडलीय ऑक्सीजन में वृद्धि से पहले प्रारंभिक महासागरों में उनके निर्माण का संकेत देते हैं।
- यूरेनियम-से-लीड अनुपात का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने चट्टानों में चुंबकीय खनिजों की आयु लगभग 3.7 बिलियन वर्ष निर्धारित की जो एक प्राचीन चुंबकीय क्षेत्र की उपस्थिति का संकेत देता है।

नेहरू प्राणी उद्यान



हाल ही में, भारत मौसम विभाग द्वारा तेलंगाना के 12 जिलों के लिए चार दिवसीय लू की चेतावनी जारी किए जाने के बाद, हैदराबाद के नेहरू प्राणी उद्यान में सफेद बाघों ने तालाब में खेलकर चिलचिलाती धूप से राहत प्राप्त की।

नेहरू प्राणी उद्यान के बारे में:

- नेहरू प्राणी उद्यान, जिसे जूलॉजिकल पार्क के नाम से भी जाना जाता है, हैदराबाद, तेलंगाना में एक चिड़ियाघर है।
- इसका नाम भारत के प्रथम प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू के नाम पर रखा गया है।
- यह चिड़ियाघर एशिया के सर्वश्रेष्ठ चिड़ियाघरों में से एक है और यह पक्षियों, जानवरों और सरीसृपों की 1,500 से अधिक प्रजातियों का आवास है।
- चिड़ियाघर की स्थापना 6 अक्टूबर 1963 को हुई थी और यह तेलंगाना सरकार के वन विभाग द्वारा संचालित किया जाता है।
- इसकी शुरुआत 1959 में हैदराबाद में सार्वजनिक उद्यानों से तत्कालीन चिड़ियाघर के बाड़ों को स्थानांतरित करके की गई थी।
- चिड़ियाघर मीर-आलम टैंक बांध से सटा हुआ है जो 200 साल पहले बने 24 मेहराबों वाला एक स्वदेशी आर्क बांध बांध है।
- यह सफारी पार्क और नॉक्टर्नल एनिमल हाउस जैसी पहल शुरू करने वाला भारत का पहला चिड़ियाघर था।
- बाघ, अफ्रीकी शेर, जगुआर, शतुरमुर्ग, मकाओ, गेंडा, हाथी, नीलगिरी लंगूर, शेर की पूछ वाला मकाक, ब्लैक हेडेड आइबिस, यूरोपियन स्पूनबिल, इंडियन स्टार कछुआ, इंडियन सॉफ्ट शैल कछुआ आदि यहां पाए जाते हैं।

Face to Face Centres





29 April, 2024

दहन



दहन के बारे में:

- दहन एक रासायनिक प्रतिक्रिया है, विशेष रूप से एक रेडॉक्स प्रतिक्रिया, जहां एक पदार्थ (रिडक्टेंट) इलेक्ट्रॉन खो देता है और दूसरा पदार्थ (ऑक्सीडेंट) इलेक्ट्रॉन प्राप्त करता है।
- इसमें आमतौर पर ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए जीवाश्म ईंधन (जैसे पेट्रोलियम) या बायोमास जैसे ईंधन को जलाना शामिल है।
- दहन प्रतिक्रियाओं से ऊष्मा और प्रकाश के रूप में ऊर्जा निकलती है, जिसका उपयोग इंजनों को चलाने और बिजली उत्पन्न करने सहित विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए किया जा सकता है।
- आंतरिक दहन इंजन अधिकांश कारों और मोटरसाइकिलों को शक्ति प्रदान करते हैं, दहन के लिए पेट्रोलियम जैसे जीवाश्म ईंधन का उपयोग करते हैं, हालांकि इलेक्ट्रिक वाहन धीरे-धीरे उनकी जगह ले रहे हैं।
- दहन के परिणामस्वरूप विशिष्ट ईंधन और स्थितियों के आधार पर कार्बन डाइऑक्साइड (CO₂), जल वाष्प (H₂O) और अन्य उप-उत्पादों सहित नए रासायनिक यौगिकों का निर्माण होता है।
- यह एक बहु-विषयक क्षेत्र है जो दहन के मूलभूत सिद्धांतों और अनुप्रयोगों का अध्ययन करता है, जिसमें इसके तंत्र, गतिकी और पर्यावरणीय प्रभाव शामिल हैं।
- जीवाश्म ईंधन का दहन वायु प्रदूषण और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में योगदान देता है जिससे जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं जैसे पर्यावरणीय मुद्दे सामने आते हैं।

सुर्खियों में स्थल

इराक

हाल ही में इराक की संसद ने समलैंगिक संबंधों को अपराध घोषित करने वाला कानून पारित किया है। कानून गंभीर दंड लगाता है, जिसमें समलैंगिक संबंधों में शामिल होने के लिए 15 साल तक की जेल और समलैंगिकता या वेश्यावृत्ति को बढ़ावा देने के लिए न्यूनतम सात साल की जेल शामिल है।

इराक (राजधानी: बगदाद)

अवस्थिति : इराक, जिसे आधिकारिक तौर पर इराक गणराज्य के रूप में जाना जाता है पश्चिम एशिया में एक देश है।

भौगोलिक सीमाएँ: इराक की सीमाएँ ईरान (पूर्व), सीरिया (पश्चिम), तुर्की (उत्तर), सऊदी अरब (दक्षिण), फारस की खाड़ी और कुवैत (दक्षिणपूर्व) और जॉर्डन (दक्षिणपश्चिम) से लगती हैं।

भौतिक विशेषताएँ:

- इराक का सबसे ऊंचा स्थान माउंट हलगुर्द है, जो उत्तरी इराक के कुर्दिस्तान क्षेत्र में स्थित ज़ाग्रोस पर्वत श्रृंखला का एक हिस्सा है।
- इराक की प्रमुख नदियाँ टाइग्रिस और यूफ्रेट्स नदियाँ हैं।
- इराक में तेल, प्राकृतिक गैस, फॉस्फेट, सल्फर, नमक, तांबा, फॉस्फोराइड और जिप्सम के महत्वपूर्ण भंडार हैं।

सदस्यता: इराक संयुक्त राष्ट्र (यूएन), अरब लीग, इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) और गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों और निकायों का सदस्य है।

राजनीतिक संरचना: इराक एक संघीय संसदीय गणतंत्र है। इसकी सरकार में एक राष्ट्रपति, प्रधान मंत्री और प्रतिनिधि परिषद शामिल हैं।



POINTS TO PONDER

- भारतीय ऐतिहासिक अभिलेख आयोग (IHRC) किस मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है? – **संस्कृति मंत्रालय**
- 'विश्व बौद्धिक संपदा दिवस 2024' का विषय क्या है? – **आईपी और एसडीजी: नवाचार और रचनात्मकता के साथ हमारे साझा भविष्य का निर्माण**
- हाल ही में भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) के एथलीट आयोग के अध्यक्ष के रूप में किसे चुना गया? – **नरसिंह पंचम यादव**
- हाल ही में सुरक्षा मामलों के लिए जिम्मेदार उच्च पदस्थ अधिकारियों की 12वीं अंतराष्ट्रीय बैठक कहाँ आयोजित की गई थी? – **सेंट पीटर्सबर्ग, रूस**
- हाल ही में किस देश ने यूक्रेन को सैन्य सहायता प्रदान करने के लिए विदेशी सहायता विधेयक पारित किया? – **यूएसए**

Face to Face Centres

